भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 11 अंक 11
नवम्बर 2019

अनुक्रमणिका

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	01
प्रदर्शनी / किसान मेला	02
परामर्शी	03
विदेश दौरे	03
कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें	03
प्रशिक्षण कार्यक्रम	06
प्रकृति कार्यक्रम	09
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	09
गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा	10
महानिदेशक महोदय के दौरे	10
प्रकाशन	10
विविध	11
मानव संसाधन समाचार	11

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- परियोजना ''नंदा देवी जीव मण्डल रिजर्व में *पाइनस वालिचियाना* की मर्त्यता'' के अंतर्गत रोगसूचक *पाइनस वालिचियाना* वृक्षों की जड़ों से निरंतर रूप से पृथक *फ्यूजाजरियम* प्रजा. को राइबोसोमल डी.एन.ए.(rDNA) के आंतरिक ट्रांसक्राइब्ड स्पेसर (ITS) क्षेत्र के अनुक्रम विश्लेषण पश्चात *एफ. सोलानी* के रूप में चिह्नित किया गया।
- मृदा गुणधर्मों एवं वनस्पतियों पर पश्च–वनाग्नि प्रभाव के आकलन के लिए किए गए वानस्पितिक अध्ययन ने प्रकट किया कि अदग्ध वनों में भाटिया बीट, मुंगेरसंती रेंज, ऊपरी यमुना वन प्रभाग में बन ओक (*क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा*) वन में वानस्पितिक घनत्व उच्च (950 वृक्ष प्रति हैक्टेयर) था तथा चीड़ पाइन वन, बिनई बीट, पुरोला रेंज, टोंस वन प्रभाग में निम्न (250 वृक्ष प्रति हैक्टेयर) था। दग्ध वनों के अंतर्गत, भाटिया बीट, मुंगेरसंती रेंज, ऊपरी यमुना वन प्रभाग के बन ओक (*क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा*) वनों में उच्च वृक्ष घनत्व (900 वृक्ष प्रति हैक्टेयर) पाया गया तथा बिनई बीट, पुरोला रेंज, टोंस वन प्रभाग के चीड़ पाइन वनों में निम्न (260 वृक्ष प्रति हैक्टेयर) था। समग्र रूप से, यह देखा गया कि दोनों वन प्रकारों यथा बन ओक (*क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा*) तथा चीड़ पाइन (*पाइनस रोक्सबर्घाई*) में अदग्ध वनों की तुलना दग्ध वनों में वनस्पति घनत्व महत्वपूर्ण रूप से कम हुआ।
- उत्तराखण्ड के विभिन्न वन प्रकारों में मृदा पोषक तत्व भण्डार तथा सूक्ष्मजीव बायोमास का मूल्यांकन करने के लिए वनस्पति अध्ययन भी किया गया। वनस्पति विश्लेषण द्वारा अधिकतम वृक्ष घनत्व (1000 वृक्ष प्रति हैक्टेयर) संकरी गांव, सिविल सोयम वन, गुप्तकाशी रेंज, रूद्रप्रयाग वन प्रभाग के बन ओक (*क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा*) (बन ओक मिश्रित) वनों में पाया गया तत्पश्चात ऊपरी यमुना वन प्रभाग, मुंगेरसंती रेंज में भाटिया बीट के हिमालयी समशीतोष्ण वनों में बन ओक (*क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा*) वनों में 950 वृक्ष प्रति हैक्टेयर; नम समशीतोष्ण पर्णपाती मिश्रित वन, पोथिबासा, ऊखीमठ वन रेंज, गोपेश्वर वन प्रभाग में 680 वृक्ष प्रति हैक्टेयर; भाटिया बीट, मुंगेरसंती रेंज, ऊपरी यमुना वन प्रभाग के नम समशीतोष्ण खारसु ओक (*क्वर्कस सेमिकार्पिफोलिया*) वनों में 570 वृक्ष प्रति हैक्टेयर तथा उत्तराखण्ड के गोपेश्वर वन प्रभाग के तुंगनाथ, ऊखीमठ वन रेंज के उप–अल्पाइन फर–रोडोडेण्ड्रान वनों में 530 वृक्ष प्रति हैक्टेयर था।
- कैम्पटी जलागम क्षेत्र में मौसमविज्ञान संबंधी प्राचलों का अनुश्रवण किया गया। अगस्त माह के दौरान अधिकतम (1249 mm) वर्षा दर्ज की गई जोकि कुल औसत वर्षा से 50% अधिक था। इसके अतिरिक्त, अगस्त माह के दौरान अधिकतम वायु तापमान 20.54^{0}C तथा मृदा आर्द्रता मात्रा 16.6% थी। मृदा आर्गेनिक मात्रा 0–50cm मृदा गहराई पर 2.98% थी। इस अवधि के दौरान कैम्पटी जलागम के प्रवाह जल में तलछट सांद्रता 220 mg/l थी जोकि इस वर्ष के लिए अधिकतम सीमा थी।
- पश्च मानसून / शरद ऋतु के दौरान, उत्तराखण्ड के नैनीताल जिले के नंधौर वन्यजीव अभयारण्य की अंदर तथा साथ–साथ 4 स्थलों में एक क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। 2 वन उप–प्रकारों (3C/C2a नम शिवालिक साल वन; 5B/C1 शुष्क शिवालिक साल वन) के 12 ट्रान्जैक्टों में नमूना एकत्रण किया गया। कुल 72 प्रजातियों के नमूने लिए गए तथा तितलियों की असामान्य प्रजातियों के 11 प्रतिदर्शों को एकत्रित एवं परिरक्षित किया गया। इन स्थलों से अभिज्ञान के लिए विभिन्न वन प्रकारों से वृक्ष एवं शाक की 8 प्रजातियों के हर्बेरियम प्रतिदर्श भी एकत्रित किए गए। लार्वल मेजबान पादपों के आंकड़ा–संचय को अद्यतन किया गया तथा 13 हर्बेरियम प्रतिदर्श निर्मित किए गए और आंकड़ा–संचय हेतु चिह्नित किया गया। नैनीताल जिले के

निचले कुंमाऊ क्षेत्र के लिए नमूना लिए गए भागों एवं वन उप–प्रकारों के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित कृत्रिम रंग के सम्मिश्र मानचित्र सृजित किए गए। हरिद्वार जिले के लक्सर रेंज में 5/1S2 खैर–सिस्सु वन उप–प्रकार के एक ट्रान्जैक्ट में भी नमूना एकत्रण किया गया जहाँ 19 प्रजातियों के नमूने लिए गए।

- देववन आरक्षित वन, चकराता से विगत में लाए गए सिरामबिसिड वेधक *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनोसिस* का खारसु ओक के कुन्दों पर तथा देहरादून जिले के थानो रेंज में देवली गाँव से लाए गए सिरामबिसिड वेधक *एफ्रोडिसियम हार्डविकिएनम* के जीवविज्ञान पर प्रयोगशाला में प्रयोग जारी थे। पश्चिमी हिमालय ओक पर आक्रमण करते कीटों पर आंकड़ा–संचय को कोलियोप्टेरा पर 50 प्रजातियों पर सूचना संकलित कर अद्यतन किया गया। क्षेत्र से लाए गए लेपीडोप्टेरा (लायमैनट्रिडी तथा टोर्टिसिडि) की 2 प्रजातियों पर प्रयोगशाला में प्रयोग किए गए।
- परियोजना ''वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट भण्डार का डिजीटलीकरण एवं संवर्धन, फेज – II (सूक्ष्म कीट)'' के अंतर्गत 81 प्रकारों को लगभग 592 छायाचित्रों के साथ डिजीटलीकृत किया गया। दराज 103–128 तक 2865 प्रजातियों के नामों को सत्यापित किया गया। लगभग 1800 छायाचित्रों के साथ 171 प्रजातियों को संपादित किया गया। दराज 83–88, 95–109 तथा 111 को तीनों प्रारूपों JPEG, Tiff तथा तमकनबमक में छायाचित्रों को अंतिम संग्रहण के लिए जाँचा गया।
- पोपलर के 53 विभिन्न कृन्तकों के पर्ण नमूनों का एकत्रण, शुष्कन एवं पिसाई की गई। ग्राफ पेपर गणना विधि द्वारा पोपलर के 10 विभिन्न कृन्तकों में कीट द्वारा पर्ण क्षेत्र भक्षण को माँपा गया। पोपलर के 10 विभिन्न कृन्तकों का पर्ण नमूना निष्कर्षण किया गया।
- सभी स्थलों से खरीफ की फसल पर उपज आंकड़ें लिए गए तथा संकलन प्रगति में है। धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार), फतेहपुर पेलियो (सहारनपुर) तथा कोदापुर (प्रयागराज) में सभी स्थलों से द्वितीय वर्ष के मृदा आंकड़ों का विश्लेषण तथा संकलन पूर्ण किया जा चुका है। सभी स्थलों में उपलब्ध पोटेशियम मध्यम स्तर पर पाया गया। फतेहपुर पेलियो तथा कोदापुर के स्थलों की तुलना धालुवाला में उपलब्ध नाइट्रोजन तथा फॉस्फोरस निम्न स्तरों पर पाए गए। फतेहपुर पेलियो, धालुवाला मजबाटा तथा कोदापुर के सभी स्थलों पर रबी की फसल की बुवाई की गई। प्रयागराज जिले में *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* का एक और स्थल रोपण पूर्ण किया जा चुका है। उपर्युक्त स्थलों पर *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* की रोपणियों का अनुरक्षण एवं अनुश्रवण प्रगति में है।
- *ग्रीविया ऑप्टिवा* से रेशे का निष्कर्षण गाय के गोबर से 2 ग्रा., 4 ग्रा., 6 ग्रा. तथा 10 ग्रा. प्रति लीटर की दर से नियंत्रण के साथ चार प्रतिकृतियों में इस पर्यावरण हितैषी विधि को विकसित करने के लिए परीक्षित किया गया। *जी. ऑप्टिवा* से सेपोनिन के निर्धारण की प्रक्रिया ओवन शुष्कीकरण के लिए रखे गए विभिन्न नमूनों को लेकर की गई। *ग्री. ऑप्टिवा* से रेशे निकालने के लिये पर्यावरण हितैषी विधि के विकास के लिए कवक यथा *एसपेरजिल्लस नाइजर* का बहुगुणन किया गया।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- राजस्थान के राजभवन परिसर की पादप विविधता आकलन ने जयपुर में 60 वृक्षों, 60 शाकों, 7 आरोहियों तथा 35 जड़ी–बूटी संबंधी प्रजातियों तथा माउण्ट आबू में 35 वृक्ष, 50 शाक, 6 आरोहियों तथा 50 जड़ी–बूटी संबंधी प्रजातियों की उपस्थिति इंगित की।

प्रदर्शनी / किसान मेला

संस्थान	प्रतिभाग	समयावधि	स्थान
व.व.अ.सं., जोरहाट	कृषक मेला	7 नवम्बर 2019	क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, टीटाबार
उ.व.अ.सं., जबलपुर तथा व.अ.के.–कौ.वि	एग्रोविजन एक्जीविशन	22 से 25 नवम्बर 2019	रेशिम बाग मैदान, नागपुर
व.अ.सं., देहरादून	प्रदर्शनी	28 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2019	स्वदेशी जागरण एवं विकास संस्थान, प्रेमनगर आश्रम

स्वदेशी जागरण एवं विकास संस्थान, प्रेमनगर आश्रम में प्रदर्शनी

क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, टीटाबार में कृषक मेला

परामर्शी

- टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा; एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; सिंगरेनी कोल्लिएरिज कम्पनी लि., कोठागुडेम; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर, वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर तथा खैराहा यू.जी. कोल माइन ऑफ एस.ई.सी.एल., मध्य प्रदेश द्वारा प्रदत्त 11 परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में कार्य कर रहा है।

विदेश दौरे

अधिकारी का नाम	संस्थान	दौरे का उद्देश्य	समयावधि	स्थान
डॉ. एम. पी. सिंह, निदेशक, का.वि.प्रौ.सं.; डॉ. वी.पी. तिवारी, समूह समन्वयक डॉ. बी. एन. दिवाकर, वैज्ञानिक – 'ई'	का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	जॉर्ज अगस्ट विश्वविद्यालय के काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रभाग से काष्ठ विज्ञान से संबंधित कार्यों पर चर्चा करने तथा संभावित सहयोग को तलाशने हेतु।	25 से 29 नवम्बर 2019	जॉर्ज अगस्ट यूनिवर्सिटी, गोइट्टेगन, जर्मनी

कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	चम्बल नदी के जलागम क्षेत्र में वानिकी हस्तक्षेप	11 नवम्बर 2019	व.अ.सं., देहरादून के वैज्ञानिक तथा राजस्थान वन विभाग के वरिष्ठ वन अधिकारी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
2.	बौद्धिक संपदा अधिकार – व.आ.वृ.प्र.सं. के लिए संभावनाए तथा चुनौतियां	5 नवम्बर 2019	व.आ.वृ.प्र.सं. के 88 कर्मचारी एवं छात्र

बौद्धिक संपदा अधिकार – व.आ.वृ.प्र.सं. के लिए संभावनाए तथा चुनौतियां विषय पर कार्यशाला

3.	जलवायु परिवर्तन परिदृश्य में भंगुर पारितंत्र के प्रबंधन पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन	20 नवम्बर 2019	4 विभिन्न राज्य वन विभागों से वरिष्ठ कार्मिक, वन महाविद्यालयों से डीन तथा प्राध्यापक गण, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू से वैज्ञानिक, विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों से वैज्ञानिक/प्राध्यापक तथा गैर सरकारी संगठन एवं वृक्ष उत्पादक

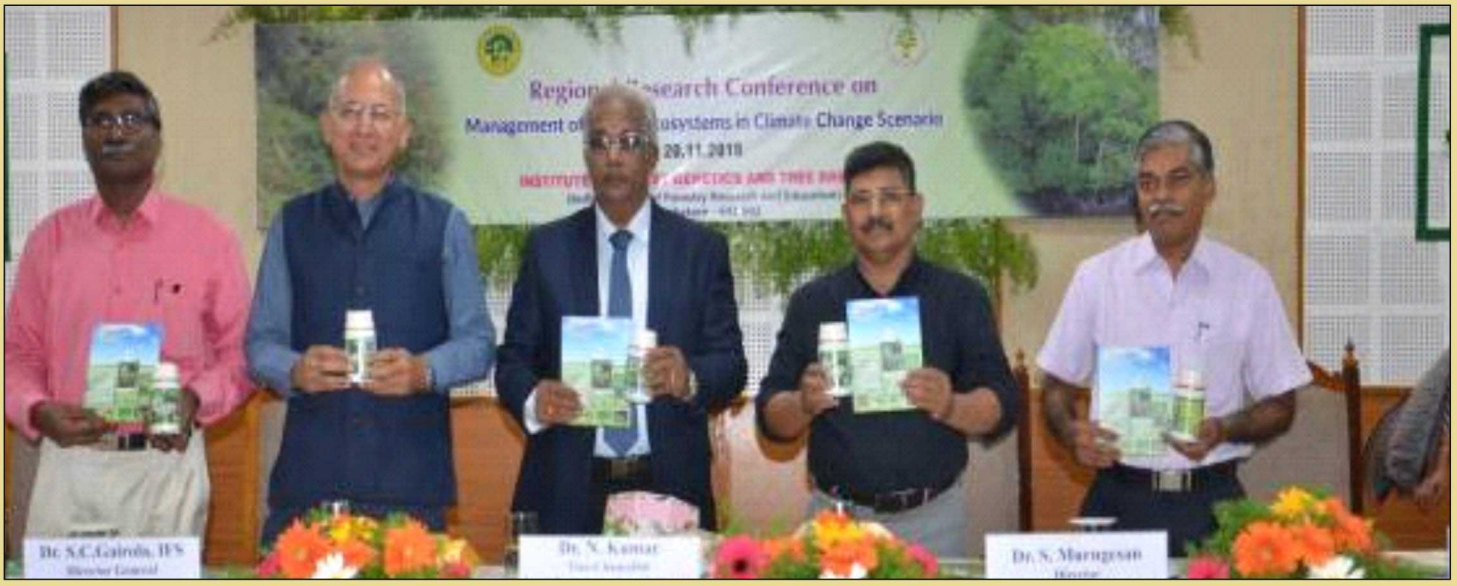

क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

4.	अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक	5 नवम्बर 2019	वैज्ञानिक एवं शोधार्थी
5.	साल वेधक तथा सागौन पर्ण कंकालक/निष्पत्रक कीटों का जैविक नियंत्रण	21, 23 तथा 25 नवम्बर 2019	दुर्गा वृत्त, रायपुर वृत्त तथा बिलासपुर वृत्त से प्रतिभागी
6.	सतपुड़ा पठार की जैवविविधता एवं ग्रामीण जनजातियों की निर्भरता	21 तथा 22 नवम्बर 2019	बत्कखाप, खुटंब, छिंदवाड़ा से प्रतिभागी

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

7.	लूनी नदी के जीणोद्धार से संबंधित कार्य की व्यापकता तथा प्रगति पर बैठक	15 नवम्बर 2019	वन अधिकारी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी कर्मचारी इत्यादि
8.	वानिकी में माइकोराइजा की भूमिका	28 नवम्बर 2019	वन अधिकारी, वैज्ञानिक, अकादमीशियन, अनुसंधान अध्येता तथा तकनीकी कर्मचारी इत्यादि

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

9.	उत्तर–पूर्व क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मलेन	4 नवम्बर 2019	–
10.	पारम्परिक औषधियों पर आरोग्यकों (वैद्य) के ज्ञान का प्रलेख–पोषण तथा परिरक्षण	8–12 नवम्बर 2019	–
11.	बाँस चारकोल उत्पादन तथा ब्रिकेटिंग के लिए ईंट भट्टी हेतु स्थल का चयन करने के लिए बैठक	19 नवम्बर 2019	असम के कार्बी एन्गलाँग जिले के चयनित गाँव

उत्तर–पूर्व क्षेत्र हेतु क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

12.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सतलज तथा व्यास नदी द्रोणी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण हेतु प्रथम परामर्शी बैठक	14 नवम्बर 2019	हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के राज्य वन विभाग के प्रभागीय वनाधिकारी, रेंज अधिकारी तथा अन्य कार्मिक
13.	पारितंत्र सेवाओं का मूल्यांकन	28 नवम्बर 2019	अधिकारी, वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी तथा शोधार्थी

हिमाचल प्रदेश के हितधारकों के लिए परामर्शी बैठक

	वन उत्पादकता संस्थान, राँची		
14.	बाँस प्रवर्धन एवं कृषि तकनीकियां	15 नवम्बर 2019	राज्य वन विभाग तथा अन्य हितधारक

बाँस प्रवर्धन एवं कृषि तकनीकियों पर कार्यशाला

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून		
1.	स्थानीय समुदायों की संवहनीयता एवं उत्पादकता हेतु एकीकृत कृषि–भूमि विकास	15 तथा 19 नवम्बर 2019	मारवाही वन रेंज तथा पाली वन रेंज, छत्तीसगढ़ के स्थानीय समुदाय, छत्तीसगढ़ के स्वयं सहायता समूह, वन समिति के सदस्य तथा कृषक
2.	पाली वन रेंज, छत्तीसगढ़ में वन कार्बन स्टॉक का मापन	23 से 27 नवम्बर 2019	पाली वन रेंज, छत्तीसगढ़ के अग्रपंक्ति वन कर्मचारी एवं वन अधिकारी
3.	रेड्ड प्लस मापन, प्रतिवेदन तथा सत्यापन	25 तथा 29 नवम्बर 2019	पटलोट तथा करैल क्षेत्र की वन पंचायत के सदस्य
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
4.	वनाग्नि जोखिम प्रबंधन तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया	4 से 8 नवम्बर 2019	राज्यों के वनाधिकारी, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी, डी.डी.ए. तथा अन्य हितधारक

5.	मूल्य वर्धन हेतु बाँस प्रौद्योगिकी	4 से 9 नवम्बर 2019	–
6.	पारम्परिक बागानों के अंतर्गत औषधीय पादपों पर आधारित कृषि वानिकी	13 से 15 नवम्बर 2019	–
7.	वन संवर्धन एवं वानिकी	18 से 22 नवम्बर 2019	ईको टास्क फोर्स के कर्मचारी
8.	प्रकाष्ठ का वर्गीकरण एवं श्रेणीकरण	18 से 22 नवम्बर 2019	–
9.	हर्बेरियम तकनीकियों में क्षमता निर्माण	20 से 22 नवम्बर 2019	आयुर्वेदिक तथा यूनानी, जिला उद्यान कार्यालय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पशुपालन, पशुचिकित्सा विभाग, भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड, गैर सरकारी संगठनों इत्यादि से प्रशिक्षु

वन संवर्धन एवं वानिकी पर प्रशिक्षण के प्रतिभागी

हर्बेरियम तकनीकियों में क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

10.	पादप ऊतक संवर्धन तकनीकियां एवं इनका अनुप्रयोग	4 नवम्बर 2019	भारत के विभिन्न राज्यों से चयनित छात्र तथा उद्यमी
11.	वन कीट विज्ञान एवं नाशी–कीट नियंत्रण	22 नवम्बर से 23 दिसम्बर 2019	भारत के विभिन्न राज्यों से चयनित छात्र तथा उद्यमी

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

12.	बाँस पौधशाला एवं रोपणी प्रबंधन	1 नवम्बर 2019	कृषक एवं अन्य हितधारक

13.	चन्दनकाष्ठ कृषि तथा इनके स्वास्थ्य का प्रबंधन	5 से 7 नवम्बर 2019	कृषक एवं चन्दन वृक्ष उत्पादक
14.	प्रकाष्ठ अभिज्ञान	18 से 22 नवम्बर 2019	कर्नाटक राज्य वन अकादमी, धारवाड़; आर. एफ. ओ. प्रशिक्षु तथा प्रतिभागी निजी कम्पनी से

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

15.	केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा (कासफोस), बर्नीहाट, असम से 2019 बैच के राज्य वन सेवा अधिकारियों के लिए वन एवं वानिकी के सामान्य पहलू	7 से 9 नवम्बर 2019	2019 बैच के राज्य वन सेवा प्रशिक्षु
16.	उत्तर पूर्व राज्यों के लोगों की जीविका संबधी मुद्दों को संबोधित करने में वानिकी	12 से 14 नवम्बर 2019	–
17.	गृह निर्माण हेतु बाँस वास्तुकला तथा संरचनात्मक घटक	25 से 29 नवम्बर 2019	–
18.	समुदायों की जीविका समस्याओं के समाधान के लिए बाँस संसाधन विकास	25 से 29 नवम्बर 2019	भारत के विभिन्न राज्यों के भा.व.से. अधिकारी

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

19.	वानिकी के विभिन्न पहलूओं पर क्षमता निर्माण	26 तथा 27 नवम्बर 2019	वन कर्मचारी

वानिकी के विभिन्न पहलूओं पर क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण

वन उत्पादकता संस्थान, राँची

20.	क्षेत्र आंकड़ो के एकत्रण हेतु महानदी नदी पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	5 से 30 नवम्बर 2019	राज्य वन विभाग, गैर सरकारी संगठन, हितधारक तथा स्थानीय व्यक्ति

प्रकृति कार्यक्रम

- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, जवाहर नवोदय विद्यालय, शंकरपुर, सहसपुर के 133 छात्रों के तीन समूहों ने अपने शिक्षकों के नेतृत्व में 22, 25 तथा 26 नवम्बर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, केन्द्रीय विद्यालय, आदमपुर, जलंधर तथा अमृतसर (पंजाब) के 101 छात्रों के दो समूहों ने अपने शिक्षकों के नेतृत्व में 26 तथा 29 नवम्बर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया।
- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने नवम्बर माह के दौरान गॉस वन संग्रहालय में ''प्रकृति'' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। छात्रों को 'पर्यावरण' पर परिचयात्मक वार्ता प्रस्तुत की गई। छात्रों के लिए पर्यावरण प्रशिक्षण क्रियाकलाप आयोजित किए गए। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्रकृति तथा इसके संरक्षण पर ज्ञान प्रदान कर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। कोयम्बटूर जिले, पोलाची तथा केरल से 1411 विद्यालय के छात्रों तथा महाविद्यालय के 272 छात्रों ने क्रियाकलाप में भाग लिया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, सेण्ट जॉन हाईस्कूल, बंगलुरू के कक्षा 5वीं से 7वीं तक के 110 छात्रों ने 13 नवम्बर 2019 को काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू का दौरा किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में 14 नवम्बर 2019 को सेण्ट जोसफ कान्वेण्ट स्कूल, जबलपुर के कक्षा 9वीं तथा 10वीं के छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 450 छात्रों तथा 10 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, वन अनुसंधान केन्द्र–कौशल विकास, छिंदवाड़ा ने सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय, रानी कामठ (गुराया), छिंदवाड़ा में 29 नवम्बर 2019 को कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए 'पर्यावरण जागरूकता एवं जैवविविधता संरक्षण' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। छात्रों को स्वच्छता के महत्व तथा वायु, जल एवं प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में भी ज्ञान प्रदान किया गया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने केन्द्रीय विद्यालय संख्या 1 तथा संख्या 2, अजमेर में 28 तथा 29 नवम्बर 2019 को वृक्षारोपण एवं व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया।
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने जवाहर नवोदय विद्यालय, गोमती, त्रिपुरा में 13 नवम्बर 2019 को 'प्रकृति' कार्यक्रम आयोजित किया। लगभग 50 छात्रों तथा शिक्षकों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
- ''प्रकृति : वैज्ञानिक – छात्र मिलन कार्यक्रम'' के अंतर्गत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने जवाहर नवोदय विद्यालय, कुल्लू के 10वीं, 11वीं और 12वीं के 52 विद्यार्थियों के लिए वानिकी तथा पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक 11 नवम्बर 2019 को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

जवाहर नवोदय विद्यालय, शंकरपुर, सहसपुर के छात्रों ने वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया

जवाहर नवोदय विद्यालय, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश के छात्र

जवाहर नवोदय विद्यालय, गोमती, त्रिपुरा के छात्र

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत नव चेतना केन्द्र, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड) में 13 से 15 नवम्बर 2019 तक कृषकों, वन विभाग के अग्र पंक्ति कर्मचारियों, उद्यमियों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों तथा अन्य हितधारकों के लिए ''औषधीय पादपों सहित अकाष्ठ वन उत्पादों का संवहनीय प्रबंधन'' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न भागों से कृषकों, वन कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों को सम्मिलित कर 43 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां यथा बाँस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्य वर्धन तथा बाँस परिरक्षण तकनीकियां, जैव प्रौद्योगिकी एवं ऊतक संवर्धन, वन्य खाद्य मशरूम का अभिज्ञान तथा कृमि खाद इत्यादि पर 1 से लेकर 22 नवम्बर 2019 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जोरहाट के विभिन्न विद्यालयों से 588 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने आबू रोड (जिला – सिरोही, राजस्थान) के आदिवासी बहुल क्षेत्र में जाम्बूड़ी तथा सुरपगला गाँवों में 3 से 8 नवम्बर 2019 तक वी.एफ.पी.सी./स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए *फेरामिआ लिमोनिआ* फलों के मूल्य वर्धन पर प्रशिक्षण–सह–प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। वी.एफ.पी.सी./स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैण्ड इन हैण्ड गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों, राजस्थान राज्य वन विभाग

के कर्मचारियों को सम्मिलित कर कुल 40 सदस्यों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। अचार तथा मुरब्बा तैयार किया गया तथा वी.एफ.पी.सी./स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के मध्य वितरित किया गया।

जाम्बूड़ी तथा सुरपगला गाँवों में प्रशिक्षण–सह–प्रदर्शन कार्यक्रम

गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा

- श्री जाँग जिनशेंग, इण्टरनेशनल यूनियन फॉर कन्जरवेशन ऑफ नेचर (IUCN) के अध्यक्ष ने दिनांक 14 नवम्बर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।
- केदाह, मलेशिया के माननीय सुलतान ने दिनांक 19 नवम्बर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।
- श्री रमेश बैस, त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल ने दिनांक 11 नवम्बर 2019 को वन अनुसंधान केन्द्र – आजीविका विस्तार, अगरतला का दौरा किया तथा बाँस उपचार के लिए वी.पी.आई. संयंत्र के संचालन का लोकार्पण किया।

श्री जाँग जिनशेंग, इण्टरनेशनल यूनियन फॉर कन्जरवेशन ऑफ नेचर (IUCN) के अध्यक्ष ने वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया

केदाह, मलेशिया के माननीय सुलतान ने वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया

महानिदेशक महोदय का दौरा

- महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् ने दिनांक 16 से 19 नवम्बर 2019 तक काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू का दौरा किया। परिषद् द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों से मीडिया को अवगत कराने के लिए दिनांक 19 नवम्बर 2019 को एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

प्रकाशन

- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर में दिनांक 20 नवम्बर 2019 को 'जलवायु परिवर्तन परिदृश्य में भंगुर पारितंत्र का प्रबंधन' पर आयोजित क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन के दौरान "Insects pests of trees outside forests and their management" नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

विविध

संस्थान	विशेष दिन/विषयवस्तु	समयावधि
भा.वा.अ.शि.प. तथा इसके संस्थान	संविधान दिवस	26 नवम्बर 2019

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री ई. विक्रम, भा.व.से., सहायक महानिदेशक (अनुश्रवण एवं मूल्यांकन)	14.11.2019

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री नेत्रपाल सिंह अनुभाग अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	14.11.2019

प्रत्यावासन

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री अनिल वी. जॉन, उप–वन संरक्षक, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	11.11.2019
श्री विपिन चौधरी, भा.व.से., उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प.	22.11.2019
डॉ. राजीव कुमार तिवारी, भा.व.से., सचिव, भा.वा.अ.शि.प.,	29.11.2019

सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
डॉ. धीरेन्द्र कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.	30.11.2019
श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, निजी सचिव, हि.व.अ.सं., शिमला	30.11.2019

संरक्षकः

डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः

श्रीमती कंचन देवी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्षा

डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।